[This question paper contains 4 printed pages.]
यह प्रश्न 2 मुद्रित पृष्ठों का है।

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 15190

L

Name of the Course	:	ITEP
Unique Paper Code	:	2132102401
Name of the Paper	:	Modern Sanskrit Literature
Semester	:	IV, 2025-2026

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

Important Instructions/ महत्वपूर्ण निर्देश:

- Write your Roll No. on the top immediately on the receipt of the question paper
  इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए
- Answers may be written either in Sanskrit, Hindi or English, but the same medium should be followed throughout the paper.
  उत्तर संस्कृत, हिंदी या अंग्रेजी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

Attempt all questions.
सभी प्रश्नों का उत्तर दें।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (20 marks)
   Explain with translation of any two of the following verses:

   (क). चराचरस्थावरजङ्गमाङ्के
   विभावनाख्यां प्रकृतिं नुमस्ताम्।
   क्विप्प्रत्ययार्थाध्यवसायभूमिर्भूत्वाऽपि
   या संश्रयते न न च्विम्।।

   (ख) पञ्चप्रशाखीं दधते कराग्रे
   जङ्घां जविष्ठां प्रपदे सगुल्फाम्।
   वक्षश्च भालं च भुजद्वयीं च
   वितन्वते कर्मविभो! नमस्ते।।

   (ग). आ दक्षिणाब्धिप्रसरं सुमेरोर्मध्यो
   धरां व्याप्य समुल्लसन्तम्।
   अब्दित्रिवेणीप्रणताङ्घ्रिमूलं
   वन्दामहे भारतवर्षविष्णुम्।।

(घ) वैदेशिकव्याधशिलीमुखेषु
लाजप्रवर्षेष्विव सञ्चरन्तः।
राष्ट्रं निजं ये पिपुरत्यभीभ्यो
नमो नमो वीरवृषाकपिभ्यः।।

2. "स्वातन्त्र्यसंभवम्" के द्वितीय सर्ग का विषय-वस्तु एवं काव्यगत विशेषताओं सहित वर्णन कीजिए। (10 marks)
Describe the subject matter and poetic features of the second canto of "Swatantryasambhavam".

OR

"भीमायनम्" के दशम एवं एकादश सर्गों के आधार पर उसके सामाजिक एवं मानवीय सन्देश का विवेचन कीजिए।
Discuss the social and human values reflected in the tenth and eleventh cantos of "Bhimayanam".

3. "शतपर्विका" में वर्णित सामाजिक यथार्थ एवं मानवीय मूल्यों की समीक्षा कीजिए। (10 marks)
Critically examine the social reality and human values depicted in "Shataparvika".

OR

"शार्दूलशकटम्" की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन करते हुए उसके नाटकीय तत्वों का विश्लेषण कीजिए।
Describe the plot of "Shardulshaktam" in detail and analyze its dramatic elements.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सानुवाद व्याख्या कीजिएः (20 marks)
Explain with translation of any two of the following:

(क) सा विश्वनाथस्य पुरी विशाला
गीर्वाणवाणीकलितालवाला।
मोक्षप्रसूः कल्पलतैव साक्षात्
शुकैश्च हंसैश्च धृतप्रवाला।।

(ख) अस्यां सदा जाग्रति हन्त तिस्रः
त्रिमार्गगा निर्व्यभिचारसङ्गाः।
भागीरथी चामरभारती च
स्वातन्त्र्यदात्री करुणा च शम्भोः।।

(ग) छात्रालयीभूतसमस्तगेहा
विद्यालयायन्ति हि यत्र रथ्याः।
काशी न सा कापि पुरी पुराणः
स विश्वविद्यालय एव मुक्तेः।।

(घ) ग्रन्था न यस्यां लिपिपत्ररूपाः
ते ह्यत्र विज्ञानमया हि कोषाः।
ग्रन्थालयायन्ति किल तेन यस्यां
स्वयंप्रकाशा बिबुधा न गेहाः।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिएः (10 marks)
Translate any two of the following:

(क) प्रिय-स्वसारो मम बन्धवश्च
स्वस्त्यस्तु वः स्वागतमस्तु हार्दम्।
सुदूरतोऽप्यत्र समागतान् वो
दृष्ट्वाऽमितान् मेऽस्ति महान् प्रमोदः।।

(ख) अन्यायदूरीकरणार्थमेव
समागताः स्मोऽत्र सुदूरतोऽपि।
संस्थापनीयाश्च निजाधिकारा
निपीय भूयः सलिलं सरस्याः।।

(ग) सर्वे जनाः सन्ततिरीश्वरस्य
चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा।
निर्माय उच्चावचतां समाजे
जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः।।

(घ) वयं निमग्ना चिरदास्यपङ्के
उद्धर्तुमस्मानितरो न शक्तः।
अज्ञानभस्मावरणं विधूय
स्वत्वानलः प्रज्वलितो विधेयः।।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए: (20 marks)

Write short notes on any four of the following:

(i) राधावल्लभ त्रिपाठी

(ii) पण्डिता क्षमा राव

(iii) रामकान्त शुक्ल

(iv) वी. राघवन

(v) रामकरण शर्मा

(vi) जगन्नाथ पाठक